IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

वर्तमान युग को बढता साइबर क्राईम

नाम – डॉ. आयुषी शर्मा (सहाय आचार्य)

जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं–341306

सार

हम जितनी तेजी से डिजिटल दुनिया की ओर बढ रहे है, ठीक उतनी ही तेजी से साइबर अपराध की संख्या में भी वृद्धि हो रही है जिस गति से तकनीक में उन्नति की है उसी गति से मनुष्य की इंटरनेट पर निर्भरता भी बढी है एक ही जगह पर बैठकर इंटरनेट के जरिए मनुष्य की पहुंच, विश्व के हर कोने तक आसान हुई है। आज के समय में हर वो चिज जिसके विषय में इंसान सोच सकता है। उस तक उसकी पहुंच इंटरनेअ के माध्यम से हो सकती है जैसे कि सोशल नेटवकिंग ऑनलाइन शांपिग डेहा स्टोर करना गेमिंग ऑनलाइन स्टडी आनलाईन जॉब इत्यादि आज के समय में इन्टरनेट के विकास और इसके सम्बधित लाभो के साथ साइबर अपराधो की अवधारणा भी विकसीत हुई है। वर्तमान में भारत की बडी आबादी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करती है भारत में सोशल नेटवर्किंग साइट्स के सर्वर विदेश में है जिससे भारत में साइबर अपराध घटित होने की स्थिति में इनकी जड तक पहुंच पाना कठिन होता है।

परिचय :

वर्तमान में हर इंसान के जीवन का अभिन्न अंग बना इंटरनेट साइबर अपराधियों के लिए ऐशगाह बन गया है साइबर अपराधियों ने एक इंटरनेट की दुनिया में एक ऐसा भ्रम बना लिया है जहां शिकारी पलक झपकते ही शिकार कर लेते है और सामने वाले को संभलने का मौका भी नहीं मिलता है मासूम और अनपढ लोगो को अपना यारा बनाकर साइबर अपराधी लगातार लोगो के खातो में हाथ साफ कर रहे है।

दुररराज के लोग बने साइबर अपराधियों के चाराः– आँनलाइन बैंक में खाता खोलने के अलावा ठगी की वारदात को अंजाम देने के लिए साइबर अपराधी गरीबी के बैंक खातो का इस्तेमाल कर रहे है इसके लिए साइबर अपराधी अपने निश्चीत स्थान से दूर या अन्य राज्यो के लोगो को अपना निशाना बना रहे है जिन तक पुलिस का पहुंचना काफी मुश्किल हो चंद रूपयों का लालच देकर या फिर किसी सरकारी लाभ मिलने का झांसा देकर साइबर अपराधी उन्हे अपने जाल में फंसा लेते है खाताधारक को मालूम ही नहीं

होता है कि वो किसी आपराधिक वारदात का हिस्सा बनने जा रहे है साइबर ठगी के अस्सी फिसदी मामले में पुलिस के सामने यही तथ्य सामने आए है।

ए.टी.एम कार्ड का नम्बर, पिन नम्बर और अन्य जानकारियां हासिल कर खाते से कर खातू से रकम उङाना आम बात हो गयी है इसके अलावा कभी नौकरी के नाम पर युवाओ को ठगा जाता है तो कभी फेसबुक आईडी हैक कर साइबर ठगी कर अपराधी रकम समेट लेते है इन सब घटनाओ का इस्तेमाल किया जाता है पकङे जाने से बचने के लिए साइबर

निष्कर्ष :

भारत इंटरनेट का तीसरा सबसे बङा उपयोगकर्ता है और हाल के वर्षो में साइबर अपराध कई गुना बढ गए है। साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ओर से कई कदम उठाए गए है कैस लेस अर्थव्यवस्था को अपनाने की दिशा में बढने के कारण भारत में साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। डिजिटल भारत कार्यक्रम की सफलता काफी हद तक साइबर सुरक्षा पर निर्भर करेगी अतः भारत को इस क्षेत्र में तीव्र गति से कार्य करना होगा वही दूसरी ओर सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को नया आयाम दिया है आज प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी डर के सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार रख सकता है और उसे हजारो लोगो तक पहुंचा सकता है परन्तु सोशल मीडिया का सावधानी पूर्वक उपयोग ही हमे ऑनलाईन ठगी तथा साईबर अपराध के गंभीर खतरो से बचा सकता है।

References :-

1. Drishti IAS Hindi रविकुमार सिहाग लेखक Harsh Tower 2, 45, 45 A Tonk Rd, Jaipur Rajasthan
2. http://www.drishtiias.com Hindi
3. http://www.etvbharat.com
4. आधुनिक वैश्विक चिंतन की दशा व दिशा

Dr. Bharatendu Gautam

Dr. Vikas Kumar Sharma 2021किरण परनामा राज पब्लिशिंग व हाउस जयपुर।